ये अव्यक्त इशारे

अशरीरी व विदेही स्थिति का अभ्यास बढ़ाओ

10-11-2025

अभ्यास करो - देह और देह के देश को भूल अशरीरी परमधाम निवासी बन जाओ, फिर परमधाम निवासी से अव्यक्त स्थिति में स्थित हो जाओ, फिर सेवा के प्रति आवाज़ में आओ, सेवा करते हुए भी अपने स्वरूप की स्मृति में रहो, अपनी बुद्धि को जहाँ चाहो वहाँ एक सेकेण्ड से भी कम समय में लगा लो तब पास विद आनर बनेंगे।

Increase the practice of the bodiless stage (ashariri and videhi)

Practise forgetting your body and the world of bodies and become bodiless, a resident of the supreme abode. Then, from being a resident of the supreme abode, become stable in the avyakt stage. Then come into sound to do service. While doing service, maintain the awareness of your form. Engage your intellect wherever you want in less than a second and you will then be pass with honours.